एआइ आधारित व्यवस्था अपनाएं सरकारी विभाग

राज्य ब्यूरो, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने मंगलवार को राजभवन में इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि राजभवन में इनफोरमेशन टेक्नोलाजी और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने को इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया गया है। राजभवन की पहल से प्रदेश के अन्य विभागों एवं संस्थानों को भी एआइ आधारित सिस्टम अपनाने की प्रेरणा मिलेगी।

मंगलवार को राजभवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित कार्यशाला आयोजित की गई। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस कार्यशाला में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर राजभवन इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ करते राज्यपाल • साभार सूवि

राजभवन में मंगलवार को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित कार्यशाला हुई। इस अवसर पर उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय की ओर से तैयार की गई इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम में देहरादून व नैनीताल के राजभवन में अवस्थित वस्तुओं के लिए क्यूआर कोड बनाया गया है। इसे स्कैन करने पर संबंधित वस्तु की पूरी जानकारी उपलब्ध हो जाती है। इसमें गृह अधिष्ठान अवार्ड, आइटी सेक्शन, लाइब्रेरी, पीडब्लूडी विद्युत एवं सिविल में उपलब्ध सामग्री को सम्मिलित किया गया है। विश्वविद्याल के कुलपति ने इस सिस्टम के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन के लिए एआइ आधारित स्मार्ट आटोमेशन सिस्टम भी शुरु किया। पहले चरण में आनलाइन गेट पास, आनलाइन अप्वाइंटमेंट व ई-इनविटेशन प्रारंभ किए गए। राजभवन में आने वाले आगंतुक राजभवन की वेबसाइट पर जाकर कहीं से भी आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। गेट पर लगा कैमरा उनकी पहचान करेगा, इसके आधार पर वे राजभवन आ सकेंगे। वरिष्ठ तकनीकी निदेशक संजय गुप्ता ने स्मार्ट आटोमेशन सिस्टम के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। एआइ व रोबोटिक्स पर विषय विशेषज्ञों ने भी प्रस्तुतीकरण दिए। एआइ पर प्रो संजीव ने प्रस्तुतीकरण दिया। प्रो प्रिया रंजन ने रोबोटिक्स के प्रयोग और उसके लाभ के बारे में जानकारी दी। प्रो मुत्तुकुमार, प्रो आरएस अय्यर और डा पद्मा ने एआइ के विकास और गवर्नेंस में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीक को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। नई तकनीकों के माध्यम से कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी, वहीं व्यक्ति की जवाबदेही भी बढ़ जाएगी। कार्यक्रम में डीजीपी अशोक कुमार, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, एडीजी अंशुमान सिंह, अपर सचिव स्वाति एस भदौरिया भी उपस्थित थे।